amarujala.com
महानगर वर्ष 55 । अंक 360 । पृष्ठ : 22 । मूल्य : सात रुपये
अमर उजाला
6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 22 संस्करण
बरेली | सोमवार, 15 जनवरी 2024 पौष शुक्ल-पंचमी ■ विक्रम संवत-2080

PAGE NO 11:MIDDLE

बहुत सी जिंदगियों का निचोड़ है 'सकुबाई'

मंचन करतीं कलाकार। स्रोत : रिद्धिमा

बरेली। रिद्धिमा में रविवार को हास्य नाटक 'सकुबाई' का मंचन किया गया। नई दिल्ली के उमापति ग्रुप की ओर से प्रस्तुत यह नाटक एक लंबी जीवंत यात्रा है, जो बहुत सी जिंदगियों का निचोड़ है।

साथ ही तथाकथित पढ़े-लिखे, सुसंस्कृत समाज के खोखलेपन को बहुत ही रोचक और हास्य-व्यंग्य अंदाज में उठाता है।

नाटक में सकुबाई घर में कामकाज करने वाली सेविका होती है, जो प्रतिकूल परिस्थितियों में भी हार नहीं मानती। वह जीवन के कठिन दौर से गुजर कर भी मुस्कराना नहीं छोड़ती।

जीवन की सुंदरता अपनी आंखों से ओझल नहीं होने देती है। नाटक इस वर्ग की लड़कियों पर छोटी सी उम्र से रोटी कमाने की बाध्यता और उसमें से जिंदगी को खुशियों से भरपूर रखने की चाहत और जीवंतता को दर्शाता है। सकुबाई की भूमिका अन्नू शर्मा ने निभाई है। संवाद